सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025 - 2026

कक्षा:-7 **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:2**

मौखिक प्रश्न/ उत्तर

1.जुम्मन दर्जी था।

2. लेखक के पिता जी और जुम्मन मित्र थे।

3. लेखक जब अपने संबंधी के लड़के के विवाह में आठ साल बाद गाँव गए थे तब उन्होंने जुम्मन को आखिरी बार देखा था।

4. जब गाँव के लोगों को मशीन के बने विलायती कपड़े पसंद आने लगे तब उन्होंने जुम्मन के हाथ के बने कपड़े लेने बंद कर दिए जिससे उनकी आमदनी बंद हो गई थी। इसलिए जुम्मन के घर में उपवास रहने लगे थे।

लिखित कौशल

1. (क) जुम्मन गर्व से कहा करते थे कि सात पीढ़ी से मेरे यहाँ दर्जी का धंधा हो रहा है, बाबू! कपड़ा फटने से पहले यदि सिलाई उधड़ जाए तो मैं अपना हाथ कटा लूँगा। सिलाई तो मैंने अपने बूढ़े दादा की गोदी में बैठकर उस समय से सीखी है, जब साफ़-साफ़ बोलना भी नहीं आता था।

(ख) जुम्मन कभी काम को बेगार की तरह नहीं किया करते थे क्योंकि गाँव में सभी को वे अपना मानते थे। कोई उनका भाई था तो कोई भतीजा, कोई नाती था तो कोई चाचा। कौन कब कितनी सिलाई देता है, उन्हें इसकी चिंता नहीं थी।

(ग) दशहरा, होली, ईद के पहले जुम्मन को साँस लेने का भी अवकाश नहीं मिलता था क्योंकि त्योहारों के समय उनके पास बहुत अधिक काम हो जाता था। दोनों बेटों के साथ मिलकर काम करने के बावजूद कपड़ों का ढेर समाप्त नहीं होता था।

(घ) 'जुम्मन तो पूरे ग्राम परिवार के प्राणी थे। इसका अभिप्राय यह है कि जुम्मन कभी अपने आपको अलग नहीं समझते थे। वे पूरे गाँव को अपना परिवार और सगे-संबंधी समझते थे। शादी-ब्याह पर वे बिना सिलाई के कपड़े सिलते थे। ऐसा नहीं था कि सिलाई के बदले सभी उन्हें पैसे ही दें। गाँव के लोग उन्हें दूध-दही, अनाज, खपरैल आदि भी दे देते थे। वे सभी का काम अच्छे से करते थे।

(ङ) जुम्मन ने लेखक के पिता के बारे में कहा कि जब तक उनके पिता जी की तरह पुराने विचारों के लोग गाँवों में रहे, जुम्मन के सिले कपड़ों की कदर रही, पर उन लोगों के चले जाने के बाद जुम्मन की कमर ही टूट गई।

2. (क) मौलवी साहब (ख) संसार भर (ग) मजाल, सिलाई (घ) बारहों महीने (ङ) सगे (च) ग्राम-परिवार (७) रौनक

मूल्यपरक प्रश्न

1.जुम्मन का सबसे बड़ा दर्द यह था कि अब पास-पड़ोस में जब शादी-ब्याह होता है तो उन्हें कोई नहीं पूछता। एक दिन था जब गाँव की जितनी शादियाँ हुई, जुम्मन के सिले हुए जामे जोड़े को पहनकर हुई थीं। यह बताते हुए उनकी आँखें भर आई थीं।

2. हाँ, आत्मीयता का अभाव रिश्तों को कमजोर कर देता है क्योंकि समय के साथ चीजें तो बदलती रहती हैं लेकिन आपसी प्रेम और आत्मीयता ही रिश्तों को जोड़े रखती है। परिवर्तन संसार का नियम है और इसी परिवर्तन और बदलाव के साथ बदलते समाज को जुम्मन कहानी के द्वारा उद्घाटित किया गया है। आधुनिक युग में मशीनों के आवागमन के साथ हमारे समाज के अमूल्य धरोहर हस्त-कारीगरों का जीवन-संघर्ष बढ़ता गया। उनके काम और कौशल को वो सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिनके वे हकदार हैं।

वी